Self Respect

17-06-2014

✓बाप को कहा जाता है करनकरावनहार | तुम साहेबजादे हो | तुम्हारा इस सृष्टि में ऊँचे ते ऊँचा पोजीशन है | तुम बच्चों को नशा रहना चाहिए कि हम साहेबजादे, साहेब की मत पर अब फिर से अपना राज्य-भाग्य स्थापन कर रहे हैं |

✓हर एक की बुद्धि में सदैव याद रहे कि हम बाबा की श्रीमत पर फिर से विश्व में शान्ति-सुख का राज्य स्थापन कर रहे हैं | सुख और शान्ति यह दो अक्षर ही याद करने हैं |

✓हम श्रीमत पर विश्व में अपना दैवी राज्य स्थापन कर रहे हैं | अन्दर में वह नशा, फलक होनी चाहिए | मुरली सुनने से रोमांच खड़े हो जाने चाहिए |

✓हम श्रीमत पर बाबा की याद से विकर्म विनाश कर अपनी राजधानी स्थापन कर रहे हैं | रोज़ बाबा समझाते हैं – बच्चे, तुम वारियर्स हो, रावण पर जीत पाने वाले हो | बाप तुम्हें मन्दिर लायक बनाते हैं

- ✓तुम्हारा मान, तुम्हारी कारोबार, तुम्हारी ख़ुशी तो वन्डरफुल होनी चाहिए |
- ✓तुम बच्चों में तो बड़ा नशा चाहिए | अपने को साहेबजादे समझो तो कुछ भी मांगने की परवाह न रहे | बाबा तो हमको इतना अथाह खज़ाना देते हैं जो 21 जन्म तक कुछ भी मांगने का ही नहीं है, इतना नशा रहना चाहिए |
- ✓तुम साहेबजादे हो, दुनिया के लोग तो कुछ भी समझते नहीं |

✓तुम सबको यह भी समझा सकते हो कि भगवान् तो सच्चा साहेब है ना | तो हम उनके बच्चे साहेबजादे ठहरे, तुम बच्चों को चलते-फिरते बुद्धि में यही याद रखना है | सर्विस में दधीचि ऋषि मिसल हड्डियाँ भी दे देनी चाहिए |

✓तुम भी घोर अन्धियारे में थे | अब बाप कहते हैं तुमको ईश्वरीय बुद्धि देता हूँ | अपने को ईश्वरीय सन्तान साहेबजादे समझो | साहेब पढ़ाते हैं शहज़ादा बनाने के लिए |

✓मनुष्य भी सब भेड़ बकरियों की तरह हैं, कुछ भी नहीं जानते हैं | क्या-क्या बैठ उपमा करते हैं | तुम्हारी बुद्धि में आदि-मध्य-अन्त का राज़ है | अच्छी रीति याद करो कि हम विश्व में सुख-शान्ति स्थापन कर रहे हैं | जो मददगार बनेंगे वही ऊँच पद पायेंगे |

✓बाप कहते हैं मैं हर 5 हज़ार वर्ष बाद आता हूँ | तुम्हारे द्वारा ही कार्य कराता हूँ | तुम वारियर्स कितने अच्छे हो | 'वन्दे मातरम्' तुम गाये जाते हो | तुम ही पूज्य थे फिर पुजारी बने हो | अब श्रीमत पर फिर से पूज्य बन रहे हो |

✓कितनी बड़ी दुनिया है, कितने मनुष्य हैं, यह फिर कुछ भी नहीं रहेंगे | कोई खण्ड का नाम निशान नहीं होगा | हम स्वर्ग के मालिक बनते हैं, यह दिन-रात ख़ुशी रहनी चाहिए | नॉलेज तो बहुत सहज है, समझाने वाले बड़े रमज़बाज़ चाहिए | अनेक प्रकार की युक्तियाँ हैं | बाप कहते हैं मैं तुमको बहुत डिप्लोमैट बनाता हूँ | वह डिप्लोमैट एम्बेसेडर को कहते हैं | तो बच्चों की बुद्धि में याद रहना चाहिए | ओहो! बेहद का बाप हमको डायरेक्शन देते हैं, तुम धारण कर औरों को भी बाप का परिचय देते हो | सिवाए तुम्हारे बाकी सारी दुनिया नास्तिक है |

- ✓अरे, बाप विश्व की बादशाही दे रहे हैं, बाकी और क्या चाहिए! हरेक अपनी दिल से पूछे कि हम इतने मीठे बाबा की क्या सर्विस करते हैं? बाप कहते हैं सबको मैसेज देते जाओ – साहेब आया हुआ है |

- ✓यहाँ तो बाप कहते हैं – तुम एक बाप के बच्चे भाई-भाई हो | बाप है ही स्वर्ग की स्थापना करने वाला | हेविन बनाते हैं बच्चों द्वारा |

✓बाप कहते हैं तुम पहले साहेबज़ादे बने हो फिर शहज़ादे जाकर बनेंगे | परन्तु इतनी सर्विस भी करके दिखाओ ना | बहुत ख़ुशी में रहना चाहिए | हम साहेबज़ादे हैं फिर शहज़ादे बनने वाले हैं | शहज़ादे तब बनेंगे जब बहुतों की सर्विस करेंगे | कितनी ख़ुशी का पारा चढ़ना चाहिए |

✓ब्राह्मण जीवन में सदा चियरफुल और केयरफुल मूड में रहने वाले कम्बाइन्ड रूपधारी भव

- ✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |